ब्यूटी पार्लर में लिया पहले लंड का मज़ा

“हॉर्नी गर्ल सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि जवान होते ही एक सेक्सी लड़की को लंड लेने की जल्दी हुई. पहले उसने अपनी सहेली के बाप का लंड चूसा, फिर ब्यूटी पार्लर में बुर फड़वायी. …”

Story By: रेहाना खान (reahana)
Posted: Wednesday, December 15th, 2021
Categories: जवान लड़की
Online version: ब्यूटी पार्लर में लिया पहले लंड का मज़ा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ब्यूटी पार्लर में लिया पहले लंड का मज़ा

हॉर्नी गर्ल सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि जवान होते ही एक सेक्सी लड़की को लंड लेने की जल्दी हुई. पहले उसने अपनी सहेली के बाप का लंड चूसा, फिर ब्यूटी पार्लर में बुर फड़वायी.

लेखिका की पिछली कहानी : कितने लण्ड खाती है तेरी बुर

मैं मिस रेहाना खान हूँ दोस्तो ! मैं अभी 21 साल की हूँ. बिंदास हूँ, खूबसूरत हूँ और साथ ही साथ बोल्ड और हॉट हॉर्नी गर्ल हूँ।

मुझे बुर्का वगैरह बिलकुल पसंद नहीं है मेरी अम्मी जान को भी नहीं !
मैं पढ़ी लिखी हूँ और आज की लड़की हूँ। ओपन माइंडेड हूँ ब्रॉडमाइंडेड हूँ और आधुनिक विचारों वाली हूँ. ज़माने के साथ साथ चलती हूँ।

मैं बहन चोद सेक्स में मामले बहुत ओपन हूँ। सेक्स करती भी खूब हूँ और एन्जॉय भी खुल कर करती हूँ।

आपको तो मालूम ही है दोस्तो, कि मैं लंड की जबरदस्त दीवानी हूँ, मुझे रोज़ लंड चाहिए।
दिन में भी लंड चाहिए और रात में भी लंड चाहिए।

मैं लंड के बिना एक पल भी नहीं रह सकती।
इसलिए मैं हर दिन हर पल लंड की खोज में रहती हूँ और मुझे कामयाबी मिल भी जाती है।

मैं अपनी 19 साल की उम्र से लण्ड पकड़ती आ रही हूँ।

मैंने अपने कुनबे से ही शुरू किया था लण्ड पकड़ना !

मैंने कॉलेज की सहलियों से, अपने कुनबे की और नाते रिश्तेदारों की लड़कियों से, अपनी गली मोहल्ले की हम उम्र लड़कियों से खुल कर बातें करने लगी थीं।
सेक्स की बातें करने लगी थी और फिर धीरे धीरे लण्ड, बुर, चूत, भोसड़ा की भी बातें करने लगी थी।

इधर मेरे जिस्म में भी बहुत बदलाव हो चुके थे।
अपने बदन को देखते हुए मैं अपनी उम्र से बड़ी लगती थी. मेरे बूब्स बड़े बड़े हो गए थे।
मेरे चूतड़ भी उभर आये थे, मेरा कद भी 5′ 4″ का हो गया था।

मुझमें लण्ड पकड़ने की तमन्ना भी जोर पकड़ने लगी थी। लड़के मुझे अच्छे लगने लगे थे. मैं लड़कों को और बड़े उम्र के लोगों को भी नंगा देखने के लिए बेकरार रहने लगी थी।
मैं लण्ड का दीदार करने के लिए तड़पने लगी। मैं झाँक झांक सबके लण्ड देखने की कोशिश करने लगी थी।

मैंने एक दिन अम्मी जान को किसी से यह कहते हुए सुना कि मैं रेहाना को बोल्ड बना दूँगी। लण्ड मैं खुद उसके हाथ में रख दूँगी।

अम्मी की बातें सुनकर मेरी झांटें सुलगने लगीं थीं।
मैं अब और इंतज़ार नहीं कर सकती।
मैंने सोच लिया कि अब मैं किसी दिन किसी का लंड पकड़ जरूर लूंगी।

एक दिन मैं फूफी जान के घर चली गयी। उसकी बेटी सलमा मुझसे मिली।
मैंने उससे मैंने अपनी सारी बाते कह दीं।

वह मुझे चार साल बड़ी थी।

वह बोली- अरी रेहाना तू बस थोड़ा रुक जा … फिर ये कुबने वाले ही मादरचोद लण्ड पेलेंगे अपना लंड तेरी चूत में ! जैसे आजकल मेरी चूत में पेल रहे हैं। इन भोसड़ी वालों को रात में बस बुर चाहिए लंड पेलने के लिए। वह बुर चाहे जिसकी हो … इनको कोई फरक नहीं पड़ता।

मैंने कहा- यार, तब तक मैं क्या करूंगी।
वह बोली- अच्छा मैं तेरे लिए इंतज़ाम करती हूँ।

उसने किसी को फोन लगाया और बस मुझे लेकर बाहर चली गयी।
एक फ्लैट में घुस गयी, मैं भी उसके पीछे थी।

अंदर से एक अंकल आये.
सलमा ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया।

अंकल नंगे बदन लुंगी पहने हुए थे.
वे उम्र में मेरे अब्बू के बराबर लग रहे थे … पर थे बड़े हैंडसम !

सलमा उसके पास बैठ गयी और मैं उन दोनों के सामने !
तब सलमा बोली- रेहाना, ये अंकल हैं मेरी सहली के अब्बू जान !

उसने मेरे सामने अंकल की लुंगी में अपना हाथ घुसेड़ दिया और अंकल के गाल चूम कर बोली- अंकल, आज तेरे लंड का इम्तिहान है। ये रेहाना मेरी छोटी बहन है। इसने अभी तक कोई लंड नहीं देखा। लंड पकड़ना और चुदवाना तो दूर की बात है। आज तुम इसको खुश कर दो अंकल !

ऐसा कह कर सलमा ने उसकी लुंगी खोल कर फेंक दी।
अंकल मेरे आगे पूरी नंगे हो गये।

उनका खड़ा लण्ड देख कर मेरी गांड फट गयी।
मेरे मुँह से निकला- हायल्ला … लंड क्या इतना बड़ा होता है बहनचोद ?

सलमा बोली- भोसड़ी की रेहाना, ले हाथ से पकड़ के देख लंड ?
मैंने लंड पकड़ा तो मज़ा आ गया।

तब तक सलमा ने मेरे कपड़े उतार डाले और मुझे नंगी कर दिया।

सलमा के बताने पर मैं नंगी नंगी लंड का सुपारा चाटने लगी, लंड प्यार से हिलाने लगी, पेल्हड़ भी सहलाने लगी।
तब तक सलमा ने भी अपने कपड़े खोल डाले।

वह भी नंगी नंगी मेरे साथ लंड चूसने लगी।

आज मैं पहली बार किसी का लंड का मज़ा अपनी बहन के साथ ले रही थी।
मुझे सच में बड़ा मज़ा आया।

हम दोनों के चूसने से लंड झड़ गया तब सलमा ने मुझे लंड पीना सिखा दिया।
मैं सच में बहुत खुश थी.

दूसरे दिन मैं एक बड़े से ब्यूटी पार्लर में बाल कटाने गयी।

मैं बात कर ही रही थी कि तभी एक मस्त जवान खूबसूरत लड़की आई और मैनेजर से बोली- मेम मुझे अपनी झांटें बनवानी हैं.
मैनेजर ने आवाज़ लगायी- रश्मि, मेम को ले जाओ और इनकी झांटें बनवा दो।

वह रश्मि के साथ अंदर चली गयी।

मुझे बड़ी हैरानी हुई कि क्या यहाँ झांटें भी बनाई जाती हैं ?
मैंने बाल कटवाये और कहा- मुझे भी झांटें बनवानी हैं।

फिर क्या रश्मि आयी और मुझे अंदर ले गयी।
वहां एक मस्त जवान लड़की सजी धजी बैठी थी।

वह बोली- आपको झांटें किसी लड़की से बनवानी है या लड़के से ?
मैंने कहा- लड़के से !

वह बोली- एकदम नंगे लड़के से या कपड़े पहने हुए लड़के से ?
मेरे मुंह से निकला- नंग लड़के से !
मैं यह जानने के लिए बड़ी उत्साहित थी कि आखिर यहाँ होता क्या है.

वह फिर हंसकर बोली- मेम, गोरे लंड से बनवाओगी या काले लंड से ?
मैंने कहा- गोरे लंड से।

फिर मुझे एक लड़की ने बगल के कमरे में बैठा दिया।

थोड़ी देर में वह लड़की एक लड़के को लेकर आई।
वह लड़का नंगे बदन तथा गोरा था, बस एक तौलिया लपेटे थे।

लड़की बोली- रेहाना मेम, यह लड़का थापा नेपाली है। यह नंगे नंगे आपकी झांटें बनाएगा।
ऐसा कह कर उसने लड़के का तौलिया खींच दिया, लड़का नंगा हो गया।

उसका लण्ड साला आधे से अधिक तो खड़ा ही था।
लड़की बोली- मेम, आप अपनी झांटें बनवाने के बाद इसके लंड के साथ कुछ भी कर

सकती हैं। जैसे चाहो वैसे इसके लंड के साथ खेल सकती हो. बस चुदवाना मना है यहाँ! आखिर में लंड का मुट्ठ मारकर इसका रस पी सकती हो.

ऐसा कहकर वह चली गयी और मेरा हाथ उसके लंड पर चला गया।
मैं लंड हिलाने लगी, चूमने लगी, पुचकारने लगी।

और वह मेरे कपड़े उतार कर मेरी चूत सहलाने लगा।
लंड और बड़ा हो गया।

मैं यह जानकार बड़ी हैरान हुई कि साला 5′ के आदमी का 8″ का लंड ? मोटा भी बहन चोद बहुत ज्यादा!

तब मुझे अम्मी की बात याद आयी।
उसने एक बार किसी से कहा था- आदमी के लंड का कद उसके अपने कद से नहीं नापा जाता. छोटे आदमी का लंड बड़ा हो सकता है और बड़े आदमी का लंड छोटा।

तब तक थापा ने कहा- मेम, आप झांटें सब साफ़ करवाएंगी या कोई डिजाइन बनवाएंगी ?
मैंने कहा- यार फिलहाल तुम सब साफ़ कर दो। डिजाइन बाद में बनवाऊंगी।

उसने मशीन से मेरी झांटें एकदम साफ़ कर दी और क्रीम वगैरह लगा चूत एकदम चिकनी कर दी।

मैं उसका लंड मुंह में लिए हुए चूसती रही। मुझे बड़ा मज़ा आ रहा था. फिर मैं लण्ड अपने पूरे नंगे जिस्म पर घुमाने लगी।

सबसे पहले माथे पर लगाया लंड, फिर अपनी दोनों आँखों पर रखा लंड और एक राहत की सांस ली।

मैंने मन में कहा- मेरी अम्मी बुरचोदी कहती हैं कि बाद में लंड दूँगी। ले देख ले भोसड़ी वाली … मैं लंड से आज ही खेल रही हूँ। मज़ा ले रही हूँ। तू मेरा क्या उखाड़ लेगी ? जब तक तू मुझे लंड दिलवाएगी, तब तक मैं जाने कितने लंड का मज़ा ले चुकी हूंगी। अम्मी जान, तेरी बिटिया की बुर ससुरी बड़ी चालू चीज है. अब तो मुझे लंड का खजाना मिल गया है। अब तो मैं रोज़ झांटें बनवाने आऊंगी।

मैंने लंड नाक पर रखा, लंड सूंघा और उसकी महक का मज़ा लिया।
मुझे लंड की महक बड़ी मन मोहक लगती है।

मैंने लंड अपने होठों पर रखा। गुलाबी होठों पर लंड का गुलाबी सुपारा बड़ा खूबसूरत लग रहा था।
फिर मैंने लंड अपने गालों पर फिराया। वहां से फिराती हुई गर्दन पर ले आई लंड। फिर कन्धों पर रखा लंड ताकि मेरे कंधे मजबूत रहें।

इसके बाद मैंने बड़े प्यार से अपनी ऊंची ऊंची चूचियों पर चढ़ा दिया लंड !
ऐसा लग रहा था कि जैसे लण्ड किसी हिल स्टेशन पर चढ़ रहा है।
ऊपर चढ़ कर लंड भोसड़ी का खुद ही मेरे निप्पलों से खेलने लगा, चूचों से अपना सिर टकराने लगा।

लंड था बड़ा चालाक … जहाँ उसे मज़ा आता, वहां वह बड़ी देर तक रुकता !

फिर वह उतर कर घाटी में आ गया यानि चूचियों के बीच में आ गया लंड।
मैंने चूचियां दबाकर बना दी सुरंग … लंड उसी में आने जाने लगा।

लंड जब ऊपर आता तो मैं उसे जबान से चाट लेती.
इससे लंड का मस्ती और ज्यादा उभरने लगी।

उसके बाद उसने मेरे आर्मपिट्स की भी यात्रा की और मज़ा लिया।
वहां से सरकता हुआ मेरे पेट पर आ गया लंड!
मेरी नाभि पर बैठ कर आराम करने लगा लंड!

थापा का लंड मुझे बहुत अच्छा लगा और मैं लंड का पूरा मज़ा ले रही थी।

फिर मैंने लंड को अपनी जाँघों तक पहंचा दिया।
चूत के चबूतरे पर बैठ कर लंड मज़ा करने लगा।

मैंने कहा- भोसड़ी के लंड राजा, ज़रा संभल कर बैठना. कहीं कुएं में न गिर जाना।
वह हंसने लगा।

इसके बाद जब लंड मेरी जाँघों पर वाकिंग करने लगा तो मुझे बड़ा अच्छा लगा।

मेरे पैरों तक पहुंचा लंड … तो मैंने उसे बड़े प्यार से उठा लिया और अपन गले लगा लिया।
मुझे सच में लंड से प्यार हो गया।

मैंने कहा- यार थापा, लंड से बुर चोदना मना है तो तुम अपनी जबान से मेरी बुर चोदो।
वह मस्ती से मेरी बुर चाटने लगा और मैं उसका लंड चाटने लगी।

हम दोनों 69 बन कर मज़ा लेने लगे।

मुझे नहीं पता कि कमरे में कौन कौन आया किस किसने हमें देखा।
हम तो लंड और चूत का मज़ा बिंदास लेने में जुटे थे।

वह सच में अपनी जबान घुसेड़ कर मेरी बुर चोदने लगा।
मैंने भी लंड चाटने चूसने में कोई कसर नहीं उठा रखी थी।

तब तक उधर मेरी चूत ढीली हुई और इधर उसके लंड ने वीर्य की पिचकारी मेरे मुंह में छोड़ दी।

मैं झड़ता हुआ लंड चाट चाट कर मस्त हो गयी।
फिर मैंने हिसाब किया और घर वापस आ गयी।

किसी को नहीं पता कि मैं क्या करके आयी हूँ।
ऐसे ही करते करते समय बीत गया।

मैं इस तरह पार्लर में जाकर कई लंड का मज़ा लेती रही।
रात भर मेरे दिमाग में पार्लर के लंड ही घूमा करते थे।

एक दिन फिर मैं पहुँच गयी ब्यूटी पार्लर!

मैंने कहा- यार, आज मुझे कोई मस्त मोटा तगड़ा दमदार विदेशी लौड़ा चाहिए मगर वह हिंदी जानता हो। है कोई ऐसा लौड़ा आपके पास?

वह बोली- काला चाहिए या गोरा?
मैंने कहा- न काला न गोरा … मुझे सांवला लौड़ा चाहिए।

वह बोली- आप कमरे में चलिए, मैं अभी आती हूँ।

मैं कमरे में जाकर बैठ गयी।

बस एक मस्त नौजवान लड़का एकदम नंगे बदन तौलिया लपेटे हुए मेरे सामने आ गया।

वह लड़की बोली- लो रेहाना, आपका माल आपके सामने खड़ा है। यह मलेशिया का है लेकिन रहता यहाँ इंडिया में है। यह सांवला भी है। लंड भी आपके मन का होगा और इसे

हिंदी भी आती है। आज के प्लान के हिसाब से आप इससे चुदवा भी सकती हैं।

ऐसा बोल कर वह चली गयी।

मैंने दरवाजा बंद किया और उसके सामने अपने कपड़े खोलने लगी।
बस दो मिनट में ही मैं पूरी तरह नंगी हो गयी।

मुझे नंगी देख कर वह मस्त हो गया और मेरी चूचियाँ मस्ती से दबाने लगा।

मैं उसकी चुम्मियाँ लेने लगी और इसी बीच मैंने उसकी तौलिया खोल कर फेंक दिया।
उसका फनफनाता हुआ 8″ का लंड मेरे आगे तन कर खड़ा हो गया।

लंड एकदम तोप की तरह था और लंड का सुपारा जो बाहर ही निकला हुआ था वह बहन चोद तोप का गोला लग रहा था।
मैं गनगना उठी, मेरी चूत धधकने लगी।

मैंने लंड मुट्ठी में लिया और बड़े प्यार से हिलाने लगी, आगे पीछे, ऊपर नीचे सब कुछ करने लगी।

मुझे लंड से खेलना तो आ ही गया था।

मैंने लंड दनादन खूब चूमा, खूब प्यार किया उसे और पुचकारा भी!

आज मैं पहली बार कोई काला लंड देख रही थी।
लंड मादरचोद बहुत ज्यादा ही खूबसूरत लग रहा था।

मेरा दिल लंड पर आ गया मैं उसे दिलोजान से चाहने लगी।
उसका नाम था आदिल … मैं आदिल के लंड में खो गयी।

मैंने ऐसे ही पूछ लिया- तुम एक दिन कितनी लड़कियां चोदते हो ?
वह बोला- 4 – 5 लड़कियां तो चोद ही लेता हूँ। यहाँ लड़कियां ग्रुप में भी आतीं हैं चुदवाने … तो हम कई लोग मिलकर चोदते हैं। कुछ लड़कियां खुद भी चुदती हैं और अपने आगे अपनी माँ भी चुदवातीं हैं. कुछ औरतें अपनी बेटियां भी चुदवाने आतीं हैं। अपनी बेटियों की आगे खुद चुदती भी हैं। सास बहू ननद सब आतीं हैं बिंदास चुदवाने। मुझे उनकी बातों से पता चल जाता है कि कौन सास है, कौन ननद है और कौन बहू ?

बस मैं नंगी नंगी आदिल का लंड चूसने में जुट गयी, उसका सुपारा चाटने लगा।
मुझे लंड बड़ा मज़ा दे रहा था।

इतना बढ़िया लंड मैंने पहल कभी देखा नहीं था।
काला लंड भी खूबसूरत होता है आज मुझे मालूम हो रहा है।

अब मैं पूरी तरह जवान हो चुकी थी तो और जम कर लंड चूस रही थी और मस्ती से अपनी बुर चटवा रही थी।

फिर मुझे लगा कि ये लौड़ा अगर मेरी बुर में घुस जाये तो मज़ा आ जाये।

मैंने उससे कहा तो उसने लंड मेरी चूत पर रखा और पेल दिया अंदर !

लंड पहली बार मेरी चूत में घुसा तो मैं चिल्ला पड़ी- उई अम्मी … मर गयी मैं ! फट गयी मेरी चूत। बड़ा मोटा है इसका भोसड़ी का लंड। हाय रे बड़ा दर्द हो रहा है.

लेकिन जब उसने 10 /12 बार लंड अंदर बाहर किया तो सारा दर्द एकदम से गायब हो गया और मैं मस्ती से चुदवाने लगी, अपनी कमर हिला हिला कर चुदवाने लगी, चुदाई में पूरी तरह खो गयी। मुझे अपार आनंद आने लगा।

चुदाई कितनी अच्छी होती है यह बात आज मुझे मालूम हो रही थी।

इस तरह मैंने आदिल के लंड का मज़ा एक घंटे तक खूब लिया ; खूब मस्ती से चुदवाया और झड़ता हुआ लंड चाटा।
फिर मैं घर चली आयी।

रात को जब मैं सबके साथ लेटी थी तो अम्मी ने मुझे अपने पास बुलाया और कहा- तेरी माँ का भोसड़ा … अब तू मेरे बराबर हो गयी है. तेरी चूत मेरी चूत के बराबर हो गयी है. अब तेरे पर कोई पहरा नहीं है तू बिलकुल आज़ाद है। इधर आ मेरा पास !

मैं जब उसके नजदीक गयी तो उसने अपने बगल में लेटे हुए आदमी की चादर हटा दी. वह साला एकदम नंगा लेटा था, उसका लंड खड़ा था।

अम्मी जान ने मेरा हाथ पकड़ कर लंड पर रख दिया और बोली- ले बेटी रेहाना पकड़ ले अपने चचाजान का लंड। ये मेरा देवर मेरी चूत मारता है, आज ये तेरी बुर फाड़ेगा। आज ये मेरे सामने तेरी बुर में पेलेगा लंड ! आज से तू भी चुदी हुई रेहाना कहलाएगी। समझ में आया माँ की लौड़ी रेहाना ?

मैंने कहा- हां समझ में आ गया मेरी बुर चोदी अम्मी जान !
उसे क्या पता था कि मैं एक हॉर्नी गर्ल हूँ, पहले से ही चुदी हुई हूँ।

फिर हम दोनों चाचा भतीजी ने की एक यादगार मस्त चुदाई।

तो दोस्तो, कैसी लगी आपको यह हॉर्नी गर्ल सेक्स स्टोरी ?
reahana1008@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरे कुंवारे जिस्म में जल रही वासना की ज्वाला- 2

कॉलेज गर्ल पोर्न स्टोरी में पढ़ें कि जब लड़की जवान हो जाती है तो उसकी चूत लंड मांगने लगती है. मेरी चूत भी लंड मांग रही थी. मैंने किसका लंड लिया पहली बार ? दोस्तो, मैं मोनिका एक बार फिर से […]
Full Story >>>

मेरे कुंवारे जिस्म में जल रही वासना की ज्वाला- 1

हॉट कॉलेज गर्ल Xxx कहानी एक कमसिन जवान लड़की की है. उसकी चुत में वासना की चुलबुलाहट होने लगी थी. उसने लंड के लिए अपने टीचर को पटाना चाहा. सभी लंडधारियों और चुतवालियों को मेरा गुलाबी नमस्कार. मेरा नाम राहुल […]
Full Story >>>

गुड़गांव की हॉर्नी लड़की से हॉट सेक्स चैट

नींद में सपने में मैंने एक सेक्सी लड़की का नंगा स्तन देखा, उसका निप्पल भी मसला। मेरा सपना मैंने एक सेक्सी देसी गर्ल की मदद से कैसे साकार किया ? मैं अकेला ही एक बस यात्रा पर जा रहा था। मैं […]
Full Story >>>

डांस टीचर से दोस्ती और चुदाई के बाद प्यार- 2

सेक्सी गर्ल की चुदाई का मौका मिला मुझे. वो मेरी दोस्त थी. उसने मुझे अपने घर बुलाया और सेक्स के लिए कहा. यह मेरा पहली बार था. दोस्तो, मैं एक बार फिर से आपका अपने लम्बे लंड से चुत चुदाई […]
Full Story >>>

मेरी कुंवारी चूत में भाई के दोस्त का लंड

देसी सेक्सी हॉट गर्ल चुदाई कहानी मेरी अपनी है कि कैसे मैंने अपने भाई के दोस्त को शह देकर उसे मेरी चूत की चुदाई करने के लिए उकसाया. यह कहानी सुनें. हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम रिया है. मैं दिल्ली से […]
Full Story >>>